श्री उपसभापति: बुलाया था मगर उन्होंने आफर दे डाला, तो उतना आपको ...(**व्यवधान**)... सबको सेटिसफाई करना मुश्किल है। ...(**व्यवधान**)...

डा॰ मुरली मनोहर जोशी: सर, आपने मुझे बुलाया था।...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: आप बहुत जल्दी से पूछ लीजिए। ...(**व्यवधान**)...

डा॰ मुरली मनोहर जोशी: मंत्री जी, आपने अभी कहा कि कुछ जगहों पर खेल के लिए और विशेषकर ओलम्पिक्स को ध्यान में रखते हुए, ...(**व्यवधान**)...

SHRI JAI PARKASH AGGARWAL: Sir, this is not fair *(Interruptions)*

श्री उपसभापति: अग्रवाल जी, मैंने पहले उनको बुला लिया था।...(**व्यवधान**)... आपको भी बुलाऊंगा।...(**व्यवधान**)...

डा॰ मुरली मनोहर जोशी: क्या आपको मालूम है कि इलाहाबाद शहर में एक अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का बच्चों के लिए जिमनास्टिक ट्रेनिंग का बहुत अच्छा संस्थान हमारे MPLADS की मदद से बन रहा है जिसके बच्चों ने कई जगहों पर जाकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मैडल जीत लिए हैं। क्या सरकार उसको जल्दी से जल्दी वित्तीय मदद देगी जिससे ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Aggarwal, please sit down. ...*(Interruptions)*... I have called his name. So, let him put his supplementary. ...*(Interruptions)*...

डा॰ मुरली मनोहर जोशी: कंस्ट्रक्शन करा लेगी ताकि आने वाले गेम्स में कुछ मैडल्स जीत सकें।

श्री उपसभापति: आप संक्षेप में उत्तर दे दीजिए।

श्री मणि शंकर अय्यर: सर, अफसोस की बात है कि जो स्पोर्ट्स इनफ्रास्ट्रक्चर स्कीम के अन्तर्गत हम राज्य सरकारों को मदद कर रहे थे, वह पिछले साल से, यानी वित्तीय वर्ष 2005-06 से बंद है और फिलहाल केवल वे प्रोजेक्ट्स जो कि पहले सेंक्शन हुए थे, हम उनको मदद दे रहे हैं। लेकिन मैं एक नयी योजना तैयार करने में लगा हूं, पंचायती राज युवा शक्ति खेलकूद अभियान, उसके अंतर्गत इलाहाबाद शहर को ही नहीं, बल्कि इलाहाबाद के जो गांव के रहने वाले हैं, उनको भी हम मदद कर सकते हैं, जो हम जरुर करेंगे।

महानगरों में स्लम क्षेत्रों में रहने वालों के लिए बुनियादी सुविधाएं

*486. **श्री जय प्रकाश अग्रवाल: क्या शहरी रोजगार और गरीबी उपशमन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देश के महानगरों, विशेषकर दिल्ली, मुम्बई, कोलकाता तथा चेन्नई में स्लम क्षेत्रों मे रहने वाले नागरिक नारकीय जीवन व्यतीत कर रहे हैं;

(ख) क्या सरकार देश में, विशेषत: दिल्ली के ऐसे स्लम क्षेत्र में रहने वाले नागरिकों को जरूरी बुनियादी सुविधाएं जैसे विद्युत, प्रदूषण रहित पर्यावरण, सीवर, पेयजल इत्यादि उपलब्ध कराए जाने हेतु कोई कारगर कदम उठाने का विचार रखती है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी विवरण क्या है?

शहरी रोजगार और गरीबी उपशमन मंत्रालय की राज्य मंत्री (कुमारी शैलजा): (क) से (ग) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क) से (ग) दिल्ली, मुम्बई, कोलकाता और चेन्नई सहित महानगरों के स्लम क्षेत्रों में रहने वालों के लिए वस्तुत: पर्याप्त बुनियादी नागरिक सुविधाओं का अभाव है। 63 चुनिंदा नगरों में शहरी गरीबों को उपयोगी सेवाएं मुहैया कराने के उद्देश्य से आश्रय, बुनियादी सेवाएं एवं अन्य नागरिक सुविधाएं मुहैया कराने की परियोजनाओं के जरिए स्लमों के समेकित विकास के लिए दिनांक 3 दिसंबर, 2005 को शहरी गरीबों के लिए बुनियादी सेवा (बीएसयूपी) संबंधी एक उप-मिशन आरंभ किया गया है। दिल्ली, मुम्बई, कोलकाता और चेन्नई इन 63 नगरों में शामिल हैं। शहरी गरीबों के लिए बुनियादी सेवा संबंधी उप-मिशन मांग मूलक आधार पर कार्यान्वित किया जाता है जिसके लिए राज्य सरकारों से यह अपेक्षा की गई है कि वे नगर विकास योजनाएं (सीडीपी); विस्तृत परियोजना रिपोर्टें (डीपीआर) तैयार करके प्रस्तुत करें और शहरी सुधार करने की वचनबद्धता वाला एक समझौता ज्ञापन भी सम्पन्न करें। शहरी गरीबों के लिए बुनियादी सेवा के प्रमुख स्वीकार्य घटकों में अन्य बातों के साथ-साथ आवास; पर्यावरणीय सुधार और अवस्थापना परियोजनाओं का विकास; नालियों/बरसाती पानी के नालों का निर्माण और सुधार; ठोस कचरा प्रबंधन; पथ-प्रकाशन (स्ट्रीट लाइटिंग); जल आपूर्ति/सीवरेज/जल-निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाना; सामुदायिक शौचालयों/स्नानघरों का निर्माण; सामुदायिक भवनों, शिशु देखभाल केन्द्रों इत्यादि जैसी नागरिक सुविधाएं मुहैया कराना शामिल हैं। तथापि बिजली उपलब्ध कराना स्वीकार्य घटक नहीं है।

Basic amenities for slum dwellers in metros

†*486. SHRI JAI PARKASH AGGARWAL: Will the Minister of URBAN EMPLOYMENT AND POVERTY ALLEVIATION be pleased to state:

† Original notice of the question was received in Hindi.

(a) whether the people in slum clusters in metropolitan cities specially in Delhi, Mumbai, Kolkata and Chennai are living in miserable conditions;

(b) whether Government propose to take any effective steps to provide necessary basic amenities like power, pollution free environment, severage, drinking water to the people living in such slum clusters in the country, specially in Delhi; and

(c) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF URBAN EMPLOYMENT AND POVERTY ALLEVIATION (KUMARI SELJA): (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the Sabha.

Statement

(a) to (c) The slum clusters in metropolitan cities including Delhi, Mumbai, Kolkata and Chennai do indeed lack sufficient basic civic amenities. For integrated Development of slums through projects for providing shelter, basic services and other civic amenities with a view to provide utilities to the urban poor in select 63 cities, a Sub-Mission on Basic Services to the Urban Poor (BSUP) has been launched on 3rd December, 2005. Delhi, Mumbai, Kolkata and Chennai are included in these 63 cities. The Sub-Mission on BSUP is implemented on a demand-driven basis for which State Governments are required to prepare and submit City Development Plans (CDPs); Detailed Project Reports (DPRs) and also to sign Memorandum of Agreement (MoA) making a commitment to undertake urban reforms. Major admissible components of BSUP inter-alia include housing; environmental improvement and development of infrastructure projects; construction and improvement of drains/storm water drains; solid waste management; street lighting; improvement of water supply/sewerage/drainage; construction of community toilets/baths; providing civic amenities like community halls, child care centres, etc. However, providing electric power is not an admissible component.

श्री जय प्रकाश अग्रवाल: माननीय उपसभापति महोदय, मुझे खुशी है कि मंत्री जी ने माना कि वहां जो बुनियादी सुविधाएं हैं, उनकी कमी है। दिल्ली, मुम्बई, कोलकाता और मद्रास— इनमें करीब 30 फीसदी लोग झुग्गी क्लस्टर्स में रहते हैं और उनके पास कोई बुनियादी सुविधा नहीं है। इंदिरा जी के जमाने में यह शुरू हुआ था, जब उनको बुनियादी सुनिधाएं दी गयी थीं, राजीव जी ने उसे चालू किया। एनडीए की सरकार में वे बुनियादी सुविधाएं बंद करके जगमोहन जी ने उनको पूरी तरह उजाड़ा ...(व्यवधान)... आज मैं यह जानना चाहता हूं ...(व्यवधान)...

श्री रुद्रनारायण पाणि: यह बिल्कुल गलत बात है। एनडीए ने इसको कभी नहीं ...**(व्यवधान)**...

श्री जय प्रकाश अग्रवाल: आपको पता नहीं है जगमोहन कौन है, आप जानते नहीं, जगमोहन कौन हैं। मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि हिन्दुस्तान का यह गरीब आदमी ...**(व्यवधान)**...

श्री रुद्रनारायण पाणि: आप क्वेश्चन ऑवर के अंदर राजनीति मत लाइए। ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति: आप बैठिए। यह क्वेश्चन ऑवर है। आप ...**(व्यवधान)**...

श्री रुद्रनारायण पाणि: राजनीति मत करिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री राजीव शुक्ल: सवाल तो सुनिए। ...**(व्यवधान)**...बीमारी है, खड़े होने की। ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति: आप बैठिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री जय प्रकाश अग्रवाल: हिन्दुस्तान का वह गरीब आदमी जो आज ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति: पाणि जी, यह सब क्या है?

श्री रुद्रनारायण पाणि: राजनीति मत करिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री जय प्रकाश अग्रवाल: आप गरीबों के खिलाफ हो। ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति: अग्रवाल जी, आप सवाल पूछिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री जय प्रकाश अग्रवाल: सर, मैं जानना चाहता हूं कि ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति: पाणि जी, देखिए, यह सही बात नहीं है। ...**(व्यवधान)**... यह क्या बात है?

The Whip has to take note of this. ...*(Interruptions)*... The House cannot tolerate this. ...*(Interruptions)*...

श्री जय प्रकाश अग्रवाल: सर, मैं यह जानना चाहता हूं कि सरकार कितना पैसा उनकी बुनियादी सुविधाओं के लिए खर्च करने वाली है। ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति: आइंदा से आप ऐसा मत कीजिए। यह सही बात नहीं है ...**(व्यवधान)**...

श्री जय प्रकाश अग्रवाल: उसमें सख्ती से कैसे अमल होगा ताकि उनको वे सुविधाएं मिल सकें?

SHRI PENUMALLI MADHU: Sir, ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The hon. Member has just put his first supplementary question. ...*(Interruptions)*...

कुमारी शैलजा: सर, मैं माननीय सदस्य की बड़ी शुक्रगुज़ार हूं कि उन्होंने बड़ा बुनियादी सवाल पूछा है। अभी पिछले ही साल तीन दिसम्बर को माननीय प्रधानमंत्री जी ने जवाहरलाल नेहरू नेशनल अर्बन रिन्युअल मिशन की शुरुआत की है और इन्हीं बातों को टैकल करने के लिए यह मिशन बनाया गया है ताकि हमारे देश में शहरों में जो गरीब लोग बसते हैं, खास करके बड़े 63 शहरों में, उनको जो बेसिक सर्विसेज़ मिलनी चाहिए, वे मुहैया कराने के लिए यह मिशन बनाया गया है और इसके लिए 2005-06 में 334 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा था। इसके अलावा 2006-07 में जो हमारा मिशन है, उनके तहत आने वाले शहरों के लिए 1000 करोड़ रुपया हमने रखा है। इसके अलावा भी मैं बताना चाहती हूं कि जो छोटे शहर हैं, जो मिशन सिटीज़ के तहत नहीं आते हैं, छोटे और मीडियम शहर हैं, वहां पर भी गरीब लोगों को ये बेसिक सर्विसेज़ मुहैया कराने के लिए, उनके हाउसिंग के लिए, स्लम डेवलपमेंट के लिए, 500 करोड़ रुपया हमने रखा है।

श्री जय प्रकाश अग्रवाल: सर, मैं यह जानना चाहता हूं कि जो उनको बसाया गया है, आपने प्रॉमिस किया है कि उनको एक लाख मकान दिल्ली में बनाकर देंगे। दूसरे शहरों में भी क्या पॉलिसी है और कितने मकान आप उनको बनाकर देंगे?

कुमारी शैलजा: सर, यह जो मकान बनाने की बात कही है, यह राज्य सरकार ने कही है। अभी ...**(व्यवधान)**...

श्री जय प्रकाश अग्रवाल: मंत्री जी ने कहा कि एक लाख मकान बनाकर देंगे।

कुमारी शैलजा: अभी तक इस मिशन के तहत जो बेसिक सर्विसेज़ फॉर दी अर्बन पुअर है, इस मिशन के तहत दिल्ली सरकार से कोई प्रोजेक्ट हमारे पास नहीं आया है, कोई प्रपोज़ल नहीं आया है। ...**(व्यवधान)**...

श्री अबू आसिम आज़मी: सर, इस पर आधे घंटे की चर्चा होनी चाहिए। It is a very important matter.

†[**شری ابو عاصم اعظمی :** سر، اس پر آدھے گھنٹے کی چرچہ ہونی چاہیے۔ اٹ از اے ویری امپارٹنٹ میٹر۔]

श्री उपसभापति: आप नोटिस दीजिए।

---

†Transliteration in Urdu Script.

श्री दत्ता मेघे: सर, मुम्बई में पिछली बार आपको मालूम है, पानी आया था, बाढ़ आयी थी। मुम्बई में ...(व्यवधान)... का काम हो रहा है, सरकार ने स्कीम भेजी है। मुम्बई शहर के लिए आपने कितने पैसे दिए हैं और मुम्बई में तोड़-फोड़ के अलावा जो गरीब लोग हैं, उनके लिए राजीव गांधी जी ने सौ करोड़ रुपए दिए थे, उसके बाद कोई पैसा नहीं आया, सब गरीब लोग अच्छे फ्लैट में रहें, ऐसी मुम्बई के लिए कौन-सी योजना है और कितना पैसा उसके लिए दिया जा रहा है।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS

Strengthening of Prasar Bharti

*481. SHRIMATI S. G. INDIRA: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government had decided to strengthen the Prasar Bharti;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether it is also a fact that Government had constituted a Group of Ministers in this regard; and

(d) if so, the details of deliberations made by the Group of Ministers in their meetings?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI PRIYARANJAN DASMUNSI): (a) to (d) Yes, Sir. In order to strengthen the working of Prasar Bharti, the Government has constituted a Group of Ministers (GoM) on 7th March, 2006 to *inter alia* consider the following issues pertaining to it:—

(i) Capital Structure and funding pattern for Prasar Bharti;

(ii) Restoration of Section 22 of the Prasar Bharti Act;

(iii) Continuation of facilities of accommodation, health and education to the employees untill they join Prasar Bharti;